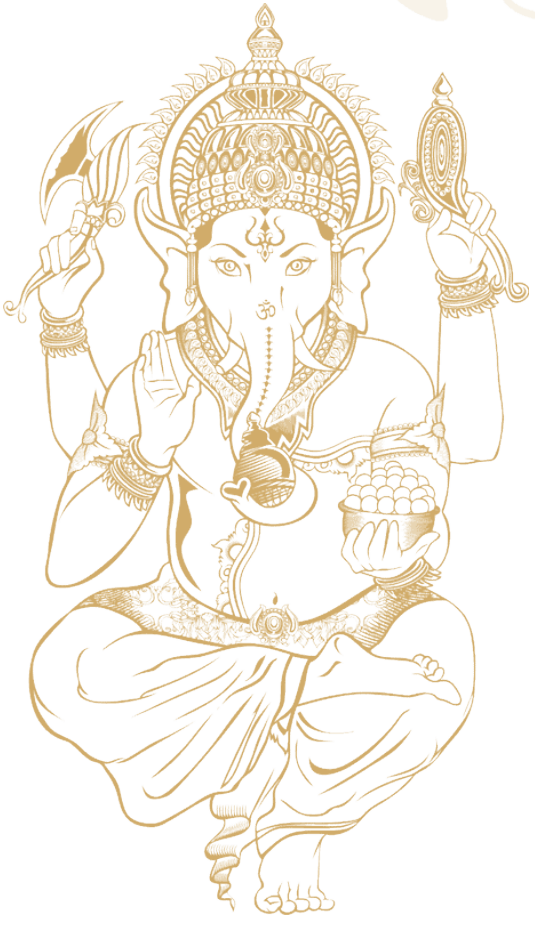

Mr.KAUSHAL SHARMA

Ms.KHUSHBOO PRADHAN

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120735602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/12/1995	जन्म तिथि	01/03/2000
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:05:00	जन्म समय	17:16:00 घंटे
घटी 32:30:20	जन्म समय(घटी)	26:01:36 घटी
India	देश	India
Chomun	स्थान	Alwar
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
75:44:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:04	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:51	सूर्योदय	06:48:12
17:33:32	सूर्यास्त	18:24:08
23:48:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 10मा 4दि	28:28:38	मिथु	लग्न	सिंह	03:13:53	शुक्र 4वर्ष 10मा 11दि
शनि	23:14:16	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	17:20:40	मंगल
14/10/2010	20:57:40	मिथु	चंद्र	धनु	23:25:24	11/01/2021
14/10/2029	13:03:55	धनु	मंगल	मीन	20:06:37	12/01/2028
शनि 17/10/2013	02:16:38	धनु	बुध व	कुंभ	17:38:06	मंगल 09/06/2021
बुध 26/06/2016	00:34:37	धनु	गुरु	मेष	08:54:35	राहु 28/06/2022
केतु 05/08/2017	21:09:01	धनु	शुक्र	मक	21:19:29	गुरु 04/06/2023
शुक्र 04/10/2020	24:28:30	कुंभ	शनि	मेष	18:35:30	शनि 13/07/2024
सूर्य 16/09/2021	01:18:52	तुला व	राहु	कर्क	09:22:12	बुध 10/07/2025
चन्द्र 18/04/2023	01:18:52	मेष व	केतु	मक	09:22:12	केतु 06/12/2025
मंगल 27/05/2024	04:22:20	मक	हर्ष	मक	24:19:18	शुक्र 05/02/2027
राहु 03/04/2027	00:05:57	मक	नेप	मक	11:31:36	सूर्य 13/06/2027
गुरु 14/10/2029	07:20:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:59:26	चन्द्र 12/01/2028

लग्न-चलित

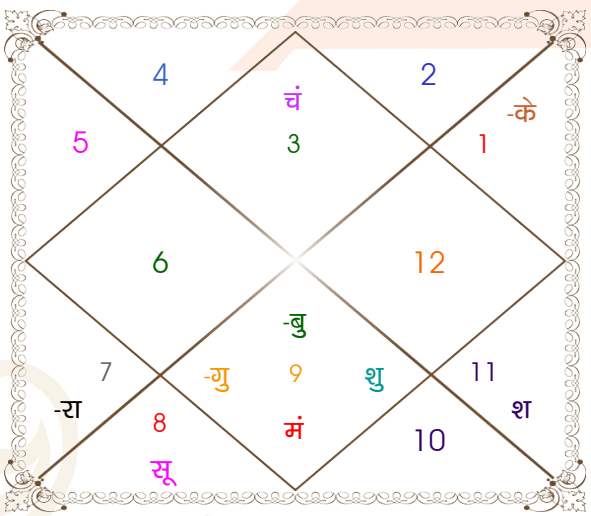

लग्न-चलित

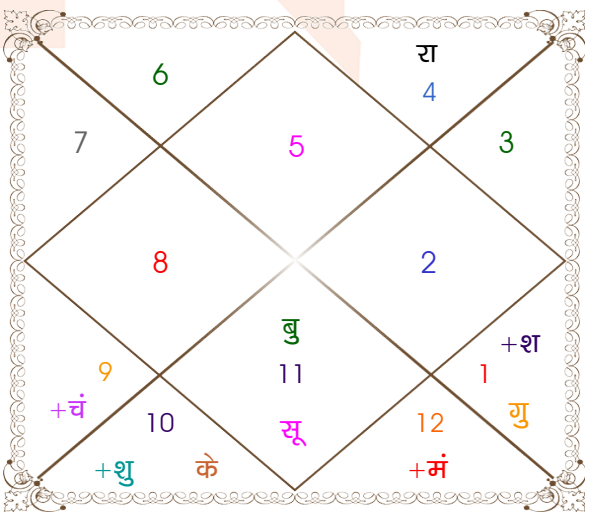

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण्झ ाैभ ास्ै भ ात्ड। का वर्ग मार्जार है तथा डेण्झभ्ैभ्ठव्व च्ट ाक्भ ाछ का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्झ ाैभ ास्ै भ ात्ड। और डेण्झभ्ैभ्ठव्व च्ट ाक्भ ाछ का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्झ ाैभ ास्ै भ ात्ड। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्झ ाैभ ास्ै भ ात्ड। कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्झभ्ैभ्ठव्व च्ट ाक्भ ाछ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्झभ्ैभ्ठव्व च्ट ाक्भ ाछ कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्झ ाैभ ास्ै भ ात्ड। तथा डेण्झभ्ैभ्ठव्व च्ट ाक्भ ाछ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।